Sixteenth Loksabha

an>

Title: Regarding the harvesting of BT cotton

श्रीमती भावना गवली (पाटील)(यवतमाल-वाशिम) : महोदय, मैं बहुत ही महत्वपूर्ण विऐाय आपके माध्यम से सदन के सामने उठाना चाहती हूं जो बीटी कॉटन से संबंधित है। महाराऐट्र में बीटी कॉटन की फसल होती है। इस साल 42.06 लाख हेक्टेयर में बीटी कॉटन की फसल बोयी गयी थी, जिसमें से 95 परसेंट बीटी कॉटन थी। 1237 करोड़ 30 लाख रुपये का कुल खर्च किसानों का हुआ। साढ़े तीन हजार करोड़ रुपये का खर्च किसानों ने कीटनाशकों पर किया। कुल मिलाकर पांच हजार करोड़ रुपये का खर्च किसानों का हुआ। बीटी कॉटन पर किसी भी प्रकार के कीट का असर न हो, इसीलिए बीटी कॉटन के बीज को हमारे देश में मान्यता दी गयी थी। वऐाऩ 2010 में कर्नाटक के रायचूर में यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर ने बताया था कि बीटी कॉटन फेल है। हमने जो बीटी कॉटन लगाया था, उसमें कीट का प्रादुर्भाव हुआ। महाराऐट्र में पिंक बोलवर्म कीट का प्रादुर्भाव हुआ और पेस्टिसाइट से छिड़काव करने के बावजूद भी किसानों की, मेरे क्षेत्र में ही कम से कम 23 किसानों और मजदूरों की मौत हो गयी।

जिस कंपनी को हमने भारत में अलाउ किया है, वह मानसेंटो कंपनी है, ऐसी कंपनी पर बड़ी से बड़ी कार्रवाई की जाए और इसी के साथ-साथ यह कहना चाहती हूं कि डाऊ ऐग्रा साइंसेज़ ने 10 साल से महाराऐट्र में रिर्सच किया है, लेकिन वहां पर मानसेंटो कंपनी की मोनोपॉली होने के कारण... (व्यवधान)

HON. DEPUTY SPEAKER: Shri Chandra Prakash Joshi, Shri Dushyant Chautala, Shri Raju Shetty, Kunwar Pushpendra Singh Chandel, Shri Naranbhai Kachhadia, Shri Rodmal Nagar and *m08 Shri Arvind Sawant are permitted to associate with the issue raised by Shrimati Bhavana Gawali.